शुक्रवार
02 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

विंटर हेडेक से पाना है छुटकारा तो आजमाएं ये उपाय, जानें सर्दी में सिर दर्द भगाने का देसी नुस्खा

पृष्ठ 5

सिंगल शॉट फिल्म करना बहुत मुश्किल : हंसिका मोटवानी

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 10
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सौभाग्य वीर से डरता है और कायर को डराता है।
— अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

समिति ने सरकार को सौंपा यूसीसी का ड्राफ्ट

●धामी बोले अपना संकल्प पूरा करने की तरफ बढ़ाया कदम

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट आज समिति द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री आवास के मुख्य सेवक सदन में समिति की अध्यक्ष डॉ. रंजना प्रकाश देसाई द्वारा मुख्यमंत्री को ड्राफ्ट सौंपा गया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य और मुख्य सचिव राधा रतूड़ी सहित अन्य तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

समिति द्वारा यूसीसी का जो ड्राफ्ट आज मुख्यमंत्री को सौंपा गया उसके

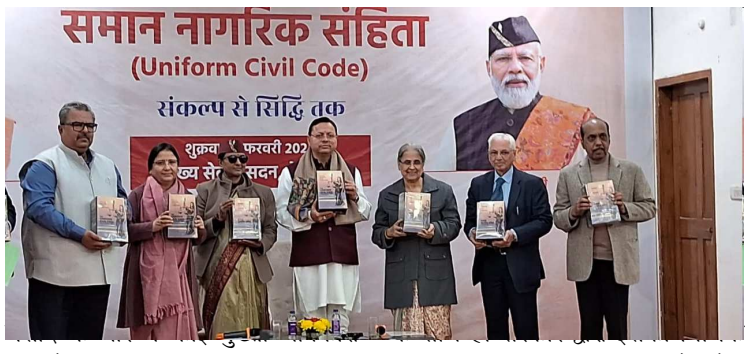

नहीं है। कल मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई कैबिनेट की बैठक में इस बिल का प्रस्ताव लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी परीक्षण भी कराया जा सकता है। जैसे की उम्मीद है कि सरकार द्वारा 6 फरवरी को इसे विधानसभा पटल पर रखा जा सकता है। सरकार की कोशिश होगी कि 8 फरवरी तक चलने वाले इसी विधानसभा सत्र में इस बिल को पारित

❑कल होगा कैबिनेट में पेश, 6 को सदन के पटल पर रखा जाएगा

करा लिया जाएगा तथा लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही राज्य में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा और उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला प्रदेश बन जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन एक शुभ दिन है। एक राष्ट्र एक विधान की ओर आज हम एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में चुनाव के दौरान हमने जनता के सामने जो संकल्प लिया था उसे अब हम पूरा करने जा रहे हैं। 27 मई 2022 को यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने को सर्वोच्च न्यायालय की सेवा निवृत जस्टिस डा. रंजना देसाई के नेतृत्व में पांच सदस्यीय

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

संग्रह अमीन व अनुसेवक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विजिलेंस द्वारा तहसील लक्सर जनपद हरिद्वार के संग्रह अमीन व अनुसेवक को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

विजिलेंस के एसपी धीरेंद्र गुंज्याल ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपने नाम के टेम्पो ट्रेवलर व अपनी पत्नी के नाम से मिनी बस को करीब 3-4 साल पहले बेच दिया था। बेचने सम्बन्धी कागजात

❑लक्सर तहसील के संग्रह अमीन ने मांगी थी दस हजार की रिश्वत

गलती से आग में जल जाने के कारण नष्ट हो गये थे। नतीजतन, वाहन किसको बेचा जिसकी जानकारी उसे नहीं थी। दोनों वाहनों की वसूली के सम्बन्ध में जारी आरसी को परिवहन विभाग को वापस करने व जेल भेजने से बचाने के एवज में संग्रह अमीन रवि पाल ने रिश्वत की माँग की गयी। मामले की शिकायत मिलने पर विजिलेंस की टीम ने आज रवि पाल संग्रह अमीन तहसील लक्सर व पदम प्रकाश अनुसेवक को शिकायतकर्ता से 10 रुपए की रिश्वत लेते हुये बालावाली तिराहा कस्बा लक्सर से रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। जिनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं ट्रैप टीम को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी है।

डीपीएस के प्रिंसिपल को स्कूल में ब्लास्ट की धमकी भरा मेल आया !

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आरके पुरम स्थित डीपीएस स्कूल के प्रिंसिपल को स्कूल में ब्लास्ट की धमकी भरा मेल आया। ब्लास्ट के मेल की जानकारी मिलते ही एहतियात के तौर पर स्कूल से सभी बच्चों को बाहर निकाल

लिया गया और मामले की पुलिस को सूचना दे दी। सूचना के बाद दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया और स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के ऑफिस में एक फोन आया और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। वहीं, सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस को अभी तक स्कूल परिसर में कुछ भी संदेहास्पद सामान नहीं मिला है। आपको बता दें कि पिछले साल मई के महीने में दिल्ली के मथुरा रोड पर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को भी ईमेल के जरिए इसी तरह की धमकी मिली थी। हालांकि पुलिस को तलाशी में कुछ भी नहीं मिला और बताया गया कि ये ईमेल फर्जी था। बाद में ये भी पता चला कि स्कूल के ही एक छात्र ने ये ईमेल भेजा था।

आबकारी टीम ने चार पेटी विदेशी शराब के साथ एक को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। आबकारी टीम ने विदेश शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। आबकारी टीम ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार आबकारी निरीक्षक प्रेरणा बिष्ट के नेतृत्व में उप आबकारी निरीक्षक उमराव राठौर, अर्जुन सिंह, आशीष प्रकाश, दीपा, प्रदीप, गोविंद, राकेश, अंकित के द्वारा गत देर सांय को जनपदीय प्रवर्तन दल द्वारा नंदा की चौकी के समीप एक महेन्द्रा वाहन को रूकने का इशारा किया तो वह आबकारी टीम को देखकर वाहन को तेजी से भगा ले गया। आबकारी टीम ने वाहन का पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। टीम के पहुंचने से पहले ही वाहन से एक युवक निकलकर अंधेरे का फायदा उठाकर

फरार हो गया। आबकारी टीम ने वाहन से 4 पेटी इंपोर्टेड विदेशी शराब जिसमे जेम्सन जे एंड बी ब्रांड की पेटी है। पकडे गये व्यक्ति ने अपना नाम रोहिन सिंह निवासी देहरादून को बताया जबकि उसने अपने फरार साथी का नाम गर्वित उर्फ विक्रांत बताया। टीम ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जबकि उसके साथी की तलाश की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भरोसे वाला अनोखा बजट

कल वित्त मंत्री सीतारमण ने 2024-25 के लिए जो अंतरिम बजट पेश किया है उसमें न तो कोई नया कर लगाया गया है न टैक्स स्लैब में और जीएसटी में कोई बदलाव किया गया है। यही नहीं इस बजट में 2019 के अंतरिम बजट की तरह कोई लोक लुभावन घोषणा भी नहीं की गई। जैसे तत्कालीन वित्त मंत्री पीयूष गोयल द्वारा किसानों को 6000 रूपये सालाना सम्मान निधि देने या 5 लाख तक आय वालों को इनकम टैक्स से बाहर रखकर 3 करोड़ करदाताओं को राहत दी गई थी वैसा इस बार कुछ नहीं किया गया है। स्वाभाविक है की मुफ्त की रेवड़िया मिलने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को इससे थोड़ी निराशा जरूर हुई होगी। सीतारमण के इस बजट को जो लोग खुद पर भरोसे का बजट बता रहे हैं। उनकी सोच सर्वथा गलत है सरकार ने इस बजट में इसलिए किसी को कुछ नहीं दिया है क्योंकि उसे अपनी 2024 की जीत का पक्का भरोसा है ऐसा कदाचित भी नहीं है। सच यह है कि सरकार के पास अब किसी को कुछ देने के लिए बचा ही नहीं है वह पहले ही इतना लुटा चुकी है कि सरकार कर्ज और बजट के बढ़ते राजकोषीय घाटे को कम करने और कर्ज की अदाएगी के संकट से जूझ रही है। यह हास्यापद ही है कि वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा अपने 58 मिनट के बजटीय भाषण में 40 मिनट का समय सरकार की 10 साल की उपलब्धियों को बताने में निकाल लिया गया वह यह बताती रही कि हमारी जीडीपी की स्थिति क्या है? और आने वाले समय में इसकी 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है लेकिन वह प्रति व्यक्ति आय के बारे में एक शब्द भी नहीं बोलते हैं अगर अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत की दर से इजाफा हो रहा है तो आम आदमी की आय भी उसी हिसाब से बढ़नी चाहिए। लेकिन उसमें सिर्फ डेढ़ से दो फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सरकार के गणित के हिसाब से देश के लोगों की आय लाख रुपए प्रति व्यक्ति से अधिक हो चुकी है तो फिर वह कौन से लोग हैं जो गरीबी में जी रहे हैं और सरकार 80 करोड लोगों को मुफ्त का राशन क्यों दे रही है? एक करोड़ जो लखपति दीदिंया बनाई गई है और अब 3 करोड़ दीदियों को लखपति बनाने की बात क्यों की जा रही है? इन दोहरी बातों को समझना आसान नहीं है। सीतारमण के इस बजट में बेरोजगारी पर एक शब्द भी नहीं बोला गया और महंगाई पर सिर्फ इतना कहा गया कि हमने महंगाई को नियंत्रण में रखा है। क्या यह सच है इसका जवाब देश के गरीब ही सही मायने में दे सकते हैं। सत्ता में बैठे लोगों को भले ही यह लग रहा हो कि चुनाव जीतने के लिए राम मंदिर और इंडिया गठबंधन का टूटना ही काफी है उन्हें अब कुछ करने की जरूरत नहीं है। यह बात कर रहे है कि हमने करोड़ों लोगों को गरीबी से मुक्त कर दिया, करोड़ों को पक्के घर दे दिए, हर घर नल पहुंचा दिया, 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन व करोड़ों किसानों को 500 रूपये दे रहे हैं यही सब काफी है। सीतारमण ने अपने बजट में विकसित भारत और समावेशी विकास की बात जरूर की है लेकिन लोगों को यह नहीं बताया कि 2047 तक भारत के ऊपर जिस गति से कर्ज बढ़ रहा है वह कितना हो जाएगा। अगर देश की जितनी जीडीपी हो और उतना ही कर्ज भी हो तो फिर क्या किसी ऐसे देश को विकसित देश कहा जा सकता है। विकसित भारत का सच कभी न कभी तो लोगों की समझ में आएगा चुनाव जीतना और सत्ता में बने रहना अलग बात है और जमीनी हकीकत पर पर्दा डालना अलग बात है। कहने भर से साइनिंग इंडिया या विकसित भारत ना साइनिंग इंडिया हो सकता है न भारत विकसित।

कांग्रेस ने 13 जनपदों, दो रेंज व 5 लोकसभा के नियुक्त किये मीडिया प्रभारी

देहरादून (सं)। कांग्रेस ने 13 जनपदों दो रेज व पांच लोकसभा के लिए मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। आज यहां उत्तराखण्ड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन महरा ने मीडिया प्रभारियों की सूची जारी करते हुए बताया कि प्रदेश के 13 जिलों में नियुक्त मीडिया प्रभारियों में अल्मोडा से दिनेश पिलखवाल, पिथौरागढ से खेमराज जोशी, चम्पावत से अशोक वर्मा, बागेश्वर से हरीश, नैनीताल से मनोज शर्मा, ऊधमसिंह नगर से अरविन्द आर्य, हरिद्वार से सुभाष जोशी, टिहरी से जयवीर सिंह रावत, उत्तरकाशी से श्रीमती पवित्रा राना, रूद्रप्रयाग से नरसेन्द्र सिंह बिष्ट, पौडी से लाल सिंह नेगी, चमोली से मनोज रावत व देहरादून से शीशपाल सिंह बिष्ट को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही कुमाऊं मंडल से नीरज तिवारी व गढवाल मंडल से लखपत बुटोला को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही लोकसभा के लिए भी मीडिया प्रभारी नियुक्त किये गये है जिनमें अल्मोडा से तारू तिवारी, नैनीताल से एडवोकेट कमलेश तिवारी, हरिद्वार से महेश प्रताप राना, टिहरी से शांतिप्रसाद भटट व पौडी से अद्वेत बहुगुणा को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

अरममाणो अत्येति गा अभि सूर्यस्य प्रियं दुहितुस्तिरो रवम्।
अन्वस्मै 'जोषमभरद्विनंगृसः सं द्वयीभिः स्वसृभिः क्षेति जामिभिः।।
(ऋग्वेद ९-७२-३)

जितेंद्रियं कर्मयोगी इंद्रियों की विलासिता के प्रति उदासीन हो जाते हैं। वे सूर्य की बेटी उषा के सम्मुख ज्ञानवाणियों की ओर बढ़ते हैं और पूर्ण दिव्यता के लिए आगे निकल जाते हैं। उनके यश का स्तोता लोग गान करते हैं क्योंकि इंद्रिय रूपी घोड़ों की लगाम उनके हाथ में होती है।

'बर्फ' हिमालय का श्रृंगार व आभूषण

लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

हिमालयी राज्यों में अभी हाल में हुई भारी बर्फबारी हिमालय के पर्यावरण के लिए, हिमालय के सौंदर्य के लिए वरदान है, बर्फ ही हिमालय का सौंदर्य है और आभूषण भी। बर्फ पर्यावरण के लिए, हिमालय के लिए, हिमालय में विद्यमान ग्लेशियरों, नदियों, झरनों, तालाबों, प्राकृतिक जलस्रोतों, जल, जंगलों, जड़ी , बूटियों ,फल ,फूलों, बुगयालों और यहां की फसलों के लिए वरदान है।।

हिमालयी राज्यों खासकर बर्फवारी वाले इलाकों में लोग आदि अनादि काल से जीवन यापन कर रहे हैं, इन इलाकों में रहने वाले लोग जानते हैं कि बर्फवारी के दौरान जीवन यापन कैसे करना है, इन लोगों ने मौसम के हिसाब से इन स्थानों में जीवन गुजर बसर करने की तकनीक ईजाद कर रखी है।

6 महीनों तक भारी बर्फवारी के दौरान माइनस डिग्री को झेलने व बर्फीली हवाओं को मात देने के लिये घरों का निर्माण भी उसी के अनुरूप निर्माण की तकनीकी ईजाद कर रखी है, स्वयं के लिए राशन, खाने पीने, दवा दारू व मवेशियों के लिए चारे पत्ती की माकूल ब्यवस्था की हुई रहती है। इतना जरूर है कि उनका आवागमन भले ही बंद हो जाता है लेकिन इसके लिए वे तैयार रहते हैं। दरअसल पिछले डेढ़ दशक से समूचे विश्व का ऋतुचक्र डगमगा गया है। हिमालयी राज्यों में बर्फवारी जनवरी के बाद शुरू हो रही है जो मार्च तक होती है और यही बर्फबारी हिमालय ओर उसके पर्यावरण के लिए घातक शाबित हो रही है। हिमालय में तेजी से बर्फ पिघलने का दौर जारी है, यहां विधमान ग्लेशियर तेजी के साथ पिघल रहे हैं। जिनमे मां गंगा का उद्गम श्रोत गौमुख यानी गंगोत्री ग्लेशियर सबसे तेजी के साथ पिघल रहा है। समूचे हिमालय में जगह जगह धरती निकल आयी है,,दरअसल वर्षभर हिमाच्छादित रहने वाले हिमालय में बर्फ पिघलने की रफ्तार बढ़ गई है, जिसके चलते समूचे हिमालय में जगह जगह जमीन दिखायी देने लग गई है। जनवरी में सूर्य मकर रेखा पर आने से मौसम में गर्माहट आ जाती है उसके बाद फरवरी से लेकर मार्च तक कि बर्फवारी हिमालय के लिए घातक साबित होती है। इस दौरान की बर्फवारी पहले से ही हिमालय में मौजूद बर्फ के लिए घातक होती है। इस दौरान की बर्फवारी पहले से मौजूद बर्फ को भी तेजी से पिघलने पिघलाने में सहायक बनती है।

हिमालय में विद्यमान ग्लेशियरों के लिए भी जनवरी से लेकर मार्च की बर्फवारी अभिशाप बनकर आती है। नवम्बर से लेकर दिसंबर की बर्फवारी हिमालय में विद्यमान बर्फ व ग्लेशियरों के लिए कवच का काम करती है। अक्टूबर से लेकर जनवरी तक की ही बर्फवारी से समूचे हिमालय व उसके ग्लेशियरों पर बर्फ की परतें चढ़ाती हैं। अक्टूबर से लेकर जनवरी मध्य तक की बर्फवारी से ही ग्लेशियरों में एक के बाद एक परत बिछती जाती है। बर्फ की इन्हीं परत दर परतों से ही ग्लेशियरों का निर्माण होता है और इन्हीं बर्फ की 2 से लेकर 12 फीट मोटाई तक कि मोटी मोटी परतें हिमालय और उसके ग्लेशियरों को मई जून से लेकर सितम्बर तक सुरक्षित रखती हैं।

पिछले डेढ़ दशक से नंबर दिसंबर में बर्फवारी न होने के चलते हिमालय में विद्यमान बर्फ पिघलती रही और परिणाम ये हुआ कि हिमालय जगह जगह बर्फ से वीरान हो गया। वर्षभर बर्फ की चादर से ढके हिमालय में जगह जगह धरती निकल आई है जो आसमान झांकने लगी है। समूचे हिमालय में बर्फ की ये मजबूत और मोटी मोटी चादरें फट ही नहीं रही हैं बल्कि उधड़ रहीं हैं। आपको बताते चलें कि फटने का इलाज तो प्रकृति के पास भी है और मानव के पास भी। लेकन उधड़ने का इलाज न प्रकृति के पास है न मानव के पास।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी निलंबित

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी से एक बड़ी खबर सामने आ रही है एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलम्बित कर दिया गया है।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल प्रभारी महिला उपनिरीक्षक दीपा जोशी और 2 सिपाहियों को एसएसपी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है इनके खिलाफ लंबे समय से मिल रही शिकायतों के चलते एसएसपी ने यह बड़ी कार्रवाई की है। वहीं इस बड़े एक्शन के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। लापरवाही के चलते निलंबित होने वाले सिपाहियों में से एक एंटी ह्यूमन दस्ते में आरक्षी मोहन सिंह और दूसरा सिपाही हिमांशू जोशी भीमताल थाने में तैनात है।

एसएसपी मीणा ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को तत्परता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए हैं।

भांजा बनकर ठगे एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। भांजा बनकर एक लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालीदास रोड निवासी ज्ञानदेव बडोनी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आर्मी मैस कैण्ट देहरादून में कुक का कार्य करता है। 22 जनवरी 2024 को उसके मोबाईल पर दोपहर दो बजे के आस-पास एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से कॉल प्राप्त हुयी जिसने स्वयं का परिचय देते हुए बताया था कि वह उसका भांजा गोलू बोल रहें है, और उसने बताया कि वह दुबई से जल्द ही देहरादून आने वाला है और उससे बैंक पासबुक की फोटो माँगी और कहा कि वह उसके बैंक खातें में 16,60,000 रूपये डाल रहा है। इसके बाद उसके मोबाईल पर उसने उसकी पत्नी श्रीमती रीना के पंजाब नैशनल बैंक के खाता 16,60,000 रूपये जमा करने की रसीद भेजी। चूकीं उसका भांजा गोलू भी दुबई में काम करता है तो उसको यकीन हो गया कि उसकी बात अपने भांजे गोलू से ही हो रही है।

उसके बाद गोलू ने उसे दूसरे मोबाईल नम्बर से दुबारा कॉल कर कहा कि वह दुबई में फंस गया है और उसका वीजा और पासपोर्ट जमा कर दिया है और उसने एक अधिकारी की फोटो भेजी और उसका मोबाईल नम्बर दिया और कहा कि उसकी मद्द करने के लिये इस अधिकारी से बात करो। उसके बाद उसने अपने भांजे द्वारा दिये गये मोबाईल नम्बर पर कॉल किया तो वहाँ से फोन उठाने वाले व्यक्ति ने कहा कि यदि तुम्हे अपने भांजे को बचाना है तो एक लाख रूपये तुरन्त जमा करने होंगे यह पैसा देकर ही दुबई के पासपोर्ट अधिकारी उसके भांजे का पासपोर्ट और वीजा वापस करेंगे। इस पर उसके द्वारा उसके कहने पर मोबाईल नम्बर पर एक लाख रूपये गूगल-पे के माध्यम से भेज दिये जो उसके एसबीआई बैंक के खाते से कटे है। इसके बाद उसके द्वारा कई बार कॉल करने पर इनके द्वारा यह नम्बर नहीं उठाये गये। वह इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक गये तो पता चला कि उसके खाते में कोई पैसा नहीं आया था, और उसके मोबाईल पर भेजी गई रसीद फर्जी थी। इस पर उसे यकीन हो गया की किसी साईबर ठग ने उसका रिश्तेदार बनकर व बैंक की तरफ से उसको फेक मैसेज भेजकर उसके साथ एक लाख रूपये की साईबर ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चुनावी मकसद से चर्चा ?

बहुआयामी गरीबी सूचकांक को एक पूरक पैमाना ही माना गया है। जबकि कैलोरी उपभोग की क्षमता एवं प्रति दिन खर्च क्षमता दुनिया में व्यापक रूप से मान्य कसौटियां हैं, जिन्हें अब भारत में सिरे से नजरअंदाज कर दिया गया है।

नीति आयोग ने कई महीने जारी अपनी रिपोर्ट को संभवत- फिर से चर्चा में लाने के लिए ताजा एक डिस्कसन पेपर तैयार किया है। इसे- मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस 2005-06 (भारत में 2005-06 के बाद से बहुआयामी गरीबी) नाम से जारी किया गया है। इसमें पहले वाली रिपोर्ट के इस निष्कर्ष को दोहराया गया है कि 2013-14 से 2022-23 (यानी मोदी सरकार के कार्यकाल में) तक 24 करोड़ 82 लाख लोगों को बहुआयामी गरीबी के पैमाने पर गरीबी से बाहर लाया गया। डिस्कसन पेपर में नई बात सिर्फ यह दावा है कि जिस एल्कायर एंड फॉस्टर (एएफ) विधि से यह रिपोर्ट तैयार की गई, वह वैश्विक रूप से गरीबी मापने का स्वीकृत फॉर्मूला है। जबकि कुछ अर्थशास्त्री इस विधि में मौजूद खामियों के बारे में हो चुके शोध निष्कर्षों का उल्लेख करते हुए उसके सटीक होने पर सवाल उठा चुके हैं। बहरहाल, डिस्कसन पेपर जारी होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्विट किया। उसमें उन्होंने कहा कि यह निष्कर्ष बहुत उत्साहवर्धक है, जो समावेशी विकास के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस तरह जब देश लोकसभा चुनाव के मोड में प्रवेश कर चुका है, एक पुरानी रिपोर्ट के जरिए सरकार की अच्छी छवि पेश करने वाली सुर्खियां पेश करने अवसर एक बार फिर मेनस्ट्रीम मीडिया को मिला है। इससे सरकार समर्थकों को कुछ टॉकिंग प्वाइंट्स मिलेंगे। उनके शोरगुल के बीच इस मुद्दे की बारीकी में जाने की कोशिशें ना के बराबर होंगी, क्योंकि गरीबी के विमर्श को सायास ढंग से आम चर्चा से बाहर कर दिया गया है। नतीजतन, जिससे विपक्ष भी कोई सार्थक बहस खड़ी करने में अक्षम दिखता है। वरना, विशेषज्ञ यह बात पहले ही चर्चा में ला चुके हैं कि बहुआयामी पैमाना इनपुट आधारित विधि है, जिसमें जो सेवाएं किसी स्थान पर उपलब्ध हैं (भले संबंधित व्यक्ति उसका उपभोग करने में अक्षम हो), उन्हें उसकी गरीबी मापने की कसौटी मान लिया जाता है। इसीलिए इसे एक पूरक पैमाना ही माना गया है। जबकि कैलोरी उपभोग की क्षमता एवं प्रति दिन खर्च क्षमता व्यापक रूप से मान्य कसौटियां हैं, जिन्हें अब भारत में सिरे से नजरअंदाज कर दिया गया है। (आरएनएस)

अरबपतियों का कसता शिकंजा

ऑक्सफेम ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि शीर्ष पांच अरबपतियों की संपत्ति 2020 के बाद से दोगुनी हो गई है। यानी जब कोरोना महामारी की मार से आम जन की अर्थव्यवस्था बिगड़ी, इन अरबपतियों के लिए ये आपदा एक बेहतरीन अवसर साबित हुई।

अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्था ऑक्सफेम की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि हर वर्ष जब स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में दुनिया भर के आर्थिक एवं राजनीतिक कर्ता-धर्ता जुटते हैं, तो वह उन्हें आगाह करता है। वह बताता है कि ये कर्ता-धर्ता जिन नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं, वह सबकी खुशहाली लाने के अपने वायदे में लगातार फेल हो रही हैं। ऑक्सफेम तथ्यों के साथ बताता है कि इन नीतियों आर्थिक गैर-बराबरी को किस हद तक बढ़ा दिया है। इस संस्था ने अपनी ताजा रिपोर्ट में विश्व अर्थव्यवस्था पर अरबपतियों के बढ़ते शिकंजे पर रोशनी डाली है। उसने बताया है कि शीर्ष पांच अरबपतियों की संपत्ति 2020 के बाद से दोगुनी हो गई है। यानी जब कोरोना महामारी की मार से आम जन की अर्थव्यवस्था बिगड़ी, इन अरबपतियों के लिए ये आपदा एक बेहतरीन अवसर साबित हुई। ऑक्सफेम ने बताया है कि 2020 के बाद से अरबपतियों की संपत्ति और भी बढ़ गई है, जबकि दुनिया की 60 फीसदी आबादी की आय घट गई है। ऑक्सफेम की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के शीर्ष पांच सबसे अमीर व्यक्तियों- इलॉन मस्क, बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जकरबर्ग- की संयुक्त संपत्ति साल 2020 के बाद 114 फीसदी या 464 अरब डॉलर से बढ?र 869 अरब डॉलर हो गई है। ऑक्सफेम ने पाया कि एक अरबपति या तो बड़ी कंपनियां चलाता है या दुनिया की दस सबसे बड़ी कंपनियों में से सात में प्रमुख शेयरधारक होता है। एक अनुमान के मुताबिक शीर्ष 148 कंपनियों ने 1.8 ट्रिलियन डॉलर का मुनाफा कमाया, जो तीन साल के औसत से 52 प्रतिशत अधिक है। इससे शेयरधारकों को भारी रिटर्न मिला, जबकि लाखों श्रमिकों को जीवनयापन संकट का सामना करना पड़ा, क्योंकि महंगाई के कारण वास्तविक रूप से वेतन में कटौती हुई। ऑक्सफेम ने कहा है कि यह असमानता कोई संयोग नहीं है। बल्कि अरबपति वर्ग यह सुनिश्चित कर रहा है मौजूदा व्यवस्था अन्य सभी की कीमत पर उन्हें ज्यादा फायदा पहुंचाएं। यही कारण है कि जहां अरबों लोग महामारी, आर्थिक बदहाली, महंगाई और युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं, वहीं अरबपतियों की संपत्ति में उछाल आ रहा है। (आरएनएस)

वीरान से पड़े जिला पुस्तकालय में लौटने लगी रौनक

❑जिलाधिकारी के प्रयासों से हाईटेक होता श्रीदेव सुमन जिला पुस्तकालय

कार्यालय संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के प्रयासों से बौराड़ी स्थित श्रीदेव सुमन राजकीय जिला पुस्तकालय हाइटेक होता जा रहा है। जिलाधिकारी ने माह जुलाई, 2023 में पुस्तकालय का निरीक्षण कर पुस्तकालय को नया स्वरूप देने के लिए समस्त पुस्तकों को सूचीबद्ध करने के साथ ही लाइब्रेरी को हाईटेक बनाने का निर्णय लिया। जिलाधिकारी के निर्देशन में पुस्तकालय के ग्राउंड फ्लोर में 100 साल पुराने दस्तावेजों एवं किताबों को सूचीबद्ध किया जा रहा है, 50 हजार से अधिक पुस्तकों में से अब तक 26 हजार से अधिक किताबों को सूचीबद्ध किया जा चुका है, जिनमें वैदिक भारत, भागवत गीता, समाज एवं संस्कृति, प्राचीन भारत की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय समाज, जीवन दर्शन, पोषण एवं स्वास्थ्य विज्ञान, इंगलिस ग्रामर, सृजनात्मक साहित्य, कम्प्यूटर शब्दकोष, भारत की राजव्यवस्था, मोरल स्टोरिज, उपन्यास आदि अनेकों पुस्तकें शामिल हैं।

इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा पुस्तकालय के प्रथम तल का कायाकलप करवाकर 165 से अधिक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल, फिजिक्स, सामान्य अध्ययन, रिजनिंग, एलएलबी, एनडीए, एएनएम, जीएनएम, एसएससी, नीट, जेईई, इंजीनियरिंग आदि से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं। प्रथम तल में एक कमरे में सीनियर सिटीजन के लिए पुस्तकें व्यवस्थित की गई हैं जबकि दूसरे कमरे को छोटे बच्चों के लिए सजाया गया है, नर्सरी क्लास के बच्चों के लिए पुस्तकों के साथ ही खिलौनों की व्यवस्था की गई है, ताकि बच्चा खेल-खेल में पुस्तकों की तरफ आकृष्ट हो सके। इसके साथ ही हॉल में एक तरफ पुस्तकों को पुस्तकालय की साइट `तरसपइतंतलजमीतप.पद पर ऑनलाइन किया जा रहा है, अब तक 200 से अधिक पुस्तकों को ऑनलाइन किया जा चुका है, जबकि दूसरी तरफ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं हेतु बुक सेल के साथ ही अनुकूल वातवरण उपलब्ध कराया गया है। 26 दिसम्बर, 2023 को जनपद भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी लाइब्रेरी का निरीक्षण कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने लाइब्रेरी में हुए उच्च स्तरीय काम की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए लाइब्रेरी काफी उपयोगी सिद्ध होगी।

मुख्य शिक्षा अधिकारी एस.पी. सेमवाल ने बताया कि पुस्तकालय में सीसी टीवी कैमरे, वाई-फाई कनेक्शन आदि अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु उच्च स्तरीय अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि इस डिजिटल युग में छात्र-छात्राओं को इंटरनेट की सुविधा भी मिल सके। बताया कि जिलाधिकारी द्वारा कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राओं को प्राथमिकता के साथ मुफ्त वाई फाई सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। पुस्कालय व्यवस्थापक विशन सिंह रांगण ने बताया कि प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक संचालित इस वातानुकूलित लाइब्रेरी में 20 से 25 विद्यार्थी एक निर्धारित समय के भीतर अध्ययन कर सकते हैं। बताया कि महज 4 महीने में 15 लाख से तैयार हुई हाईटेक लाइब्रेरी में काफी बच्चे आने को उत्साहित दिख रहे हैं तथा छात्र-छात्राओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

पालतु कुत्ते से कटवाने का प्रयास करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पालतु कुत्ते से कटवाने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो बहनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बहादुरपुर निवासी अरूणा रानी ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 28 जनवरी 24 को समय करीब सुबह 7.00 बजे पर जब वह गाय से दूध निकाल रही थी और उसके पति उत्तम सिह खेत में गोबर डाल रहे थे इतनी देर में उसके पति को गोबर डालते हुये देखकर पड़स में रहनें वाली औरत शायरी गैरोला एवं उसकी बहन ईला गैरोला द्वारा एकदम से अपनें पलातू खुंखार कुत्ते को खोला और उनकी तरफ काटनें को भेज दिया ताकि कुत्त उन पर हमला करे और उन्हें काट दे इतनी देर में उसके पति की नजर कुत्ते पर पड़ी तो उसके पति जोर से चिल्लाये और उन दोनों नें बमुश्किल से वहाँ से भागकर अपनी जान बचाई यदि वह समय से अपनें घर न जाते तो अवश्य ही शायरी गैरोला और ईला गैरोला का कुत्ता उन्हें काट लेता और कोई बड़ी घटना हो जाती। वह दरवाजा बन्द करके अपनें घर के अन्दर करीब 2 घण्टे बन्द रहे।

उसने अपनें घर के अन्दर से कई बार आवाजें लगाई लेकिन शायरी गैरोला और ईला गैरोला अपना कुत्ता पकड़नें नही आयी और अपनें घर के आँगन से दोनों बहनें हँस रही थी जबकि दो घण्टे तक कुत्ता उनके घर के चारों और घूमता रहा जब कुत्ता वहाँ से चला गया तो वह अपनें घर से बाहर आये तो सायरी गैरोला और उसकी बहन नें उसको गन्दी गन्दी गालियाँ दी इस बीच मैनें 112 पर कॉल भी की। शायरी गैरोला नें धमकी दी कि आज तो तुम बच गये लेकिन दुबारा नही बचेंगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार करनपुर निवासी विकास ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं शिवालिक व्यू रिंग रोड निवासी सुरेश कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा जोगीवाला फल की दुकान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जान लीजिए सर्दी में मूली कब खानी चाहिए और कब नहीं?

सर्दियों में मूली सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाने का काम करता है। इसे खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। मूली बेहद स्वादिष्ट और फायदेमंद भी होती है लेकिन कुछ लोगों के लिए यह नुकसानदायक भी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत से लोग मूली खाने का सही समय नहीं जानते हैं। आयुर्वेद में मूली को लेकर कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। आइए जानते हैं उनके बारें में।

मूली में विटामिन सी, विटामिन बी6, रिबोफ्लेविन, नियासिन, फोलेट, पोटैशियम, आयरन, मैग्नीज, फाइबर और शुगर अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यही कारण है कि ठंड के मौसम में मूली खाना फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से खून की कमी दूर हो सकती है और वजन भी कंट्रोल रहता है।

आयुर्वेद में बताया गया है कि मूली की तासीर गर्म होती है। इसलिए ऐसे लोगों को मूली खाने से परहेज करना चाहिए, जिन्हें ठीक तरह से भूख नहीं लगती है। क्योंकि ऐसी स्थिति में गैस्ट्रिक प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं।एक?सपर्ट के मुताबिक, अगर किसी का पेट सूखता है तो उसे भी मूली नहीं खानी चाहिए। जिन लोगों को गैस की समस्या होती है, वे घी के साथ मूली खा सकते हैं। कच्ची मूली खाने से बचना चाहिए, वरना कई तरह की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कभी भी खाली पेट मूली का सेवन नहीं करना चाहिए। रात में भी मूली खाने से बचना चाहिए। अगर मूली का बेहतर फायदा उठाना चाहते हैं तो हमेशा सर्दी वाले दिनों में ही इनका सेवन करना चाहिए। धूप में बैठकर मूली खाना फायदेमंद हो सकता है। इसका मतलब मूली दोपहर के वक्त खाना सबसे अच्छा हो सकता है।

मूली खाने से पहले ध्यान दें

दूसरी कच्ची सब्जियों के साथ ही मूली खाएं।

ज्यादा पकी मूली खाने से बचें।

एक जगह बैठकर कभी भी मूली न खाएं। चलते रहने से मूली अच्छी तरह पच जाता है।

मूली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए।

छोटी सी गलतियों से आसपास के लोग हो जाते हैं बीमार

हमारी छोटी-छोटी लापरवाहियों की वजह से हमारे आसपास के लोग बीमारी का शिकार हो जाते हैं। कई ऐसी बीमारियां हैं जो आसपास साफ-सफाई न रखने या छूने से फैलती हैं। हमें इनका ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि बारिश और सर्दी ऐसे मौसम होते हैं जब इस तरह की बीमारियां बहुत तेजी से फैलती हैं।

ज्यादातर लोगों की आदत होती है छींकते या खांसते समय हाथ मुंह पर लगाने की। छींकते या खांसते समय हाथों का इस्तेमाल करने के बजाय टिश्यू या रुमाल मुंह पर रखना ज्यादा सही आदत है। इस्तेमाल के बाद टिश्यू को फेंक दें और रुमाल को धोया जा सकता है। इसके बाद अपना हाथ जरूर साफ करना चाहिए। यह आदत रोजमर्रा के छोटे-छोटे कम करने के बाद भी पूरी करनी चाहिए, जैसे लिफ्ट में जाते-आते समय, बाथरूम इस्तेमाल करने के बाद और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने बाद भी जरूर हाथ धोने चाहिए। हमें कोई भी काम करने के बाद अपने हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

विंटर हेडेक से पाना है छुटकारा तो आजमाएं ये उपाय, जानें सर्दी में सिर दर्द भगाने का देसी नुस्खा

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऐसे में बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। शीतलहर की चपेट में आने से सर्दी-जुकाम की समस्या हो रही है। ठंडी हवाएं लगने के बाद अक्सर तेज सिरदर्द की समस्या भी होने सगती है। ऐसे में बहुत से लोग दिनभर सिर पकड़े-पकड़े ही रह जाते हैं। विंटर हेडेक तब होता है, जब तापमान कम होने पर मस्तिष्क के नसों पर प्रभाव पड़ता है। इससे सिर में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होती है। ऐसे में आइए जानते हैं सर्दियों में हेडेक से बचने के घरेलू उपाय।

गर्म चीजों का करें सेवन

ठंड में जब भी सिरदर्द करे तो गर्म तासीर वाली चीजों का सेवन करें। हेडेक होने पर चाय या कॉफी पीना फायदेमंद हो सकता है। कैफीन के सेवन से मस्तिष्क को आराम मिलने की उम्मीद रहती है। यह मूड को बेहतर बनाने का काम भी करता है।

गुनगुने तेल से सिर की मालिश करें

सर्दियों में सिरदर्द की समस्या होने पर गुनगुने तेल से सिर की मालिश कर सकते हैं। इससे मस्तिष्क के नसों को आराम मिलता है और ब्लड सर्कुलेशन सही होता है। विंटर हेडेक होने पर यह समस्या काफी कारगर हो सकती है।

फुल रेस्ट करें

ठंड के मौसम में जब भी सिर में तेज दर्द हो, तब कुछ देर तक जाकर आराम करना चाहिए। अच्छी नींद आने से मस्तिष्क को आराम मिलता है और सिरदर्द की समस्या दूर होती है। ऐसे में आराम करना नहीं भूलना चाहिए।

हर्बल चाय पिएं

हर्बल चाय भी सिरदर्द से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकती है। ठंड में हेडेक से तुरंत आराम पाने के लिए तुलसी, अदरक, काली मिर्च और दालचीनी से चाय बनाकर पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण दर्द से राहत दिलाने का काम करता है।

हल्दी वाला दूध का सेवन

हल्दी वाला दूध भी ठंड में सिरदर्द की समस्या से छुटकारा दिलाने का काम करता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल, एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सिडेंट जैसे गुण होते हैं, जो सिरदर्द को दूर करने का काम कर सकते हैं। इससे दिमाग को भी आराम मिलता है। थोड़ी देर धूप में बैठना भी आरामदायक हो सकता है।

हेयर टाइप के हिसाब से चुनें सीरम, बाल दिखेंगे चमकदार

हम अपने बालों को स्वस्थ रखने के लिए तमाम उपाय करते हैं। खासकर गर्मियों के मौसम में बालों रूखे और बेजान नजर आते हैं। ऐसे में बालों को मॉश्चराइज रखने के लिए आप हेयर सीरम का इस्तेमाल कर सकती है। सीरम बालों के धूप की वजह से होने वाले नुकसान से बचाता है। बालों में सीरम लगाने से आपके बाल चमकदार और हेल्दी दिखते हैं।

महिलाओं को उनके हेयर टाइप के हिसाब से सीरम चुनना चाहिए। हेयर सीरम आपके बालों को चमकदार बनाने के साथ ड्राइनेस और फ्रिजीनेस को भी कम करता है। हेयर सीरम सिलिकॉन बेस्ड प्रोडक्ट होता

है जो बालों को हानिकारक कैमिकल और पदार्थ से बचाता है। अगर आपके सूखे और फ्रिजी हेयर है तो बालों में केस्टर, रोजवुड जैसे ऑयल का मिश्रण हो। आइए जानते हैं हेयर टाइप के हिसाब से कौन सा सीरम चुनना चाहिए। जरूरत से ज्यादा सूखे बालों को अधिक पोषण की आवश्यकता होती है। अच्छी बात ये है कि आजकल ऐसे सीरम मौजूद है जिसे आप रातभर बालों में लगाकर आराम से सो सकते हैं। इसके लिए आप ऑयल बेस्ड सीरम की जगह क्रीम बेस्ड सीरम लगा सकते हैं। ये बालों को मॉश्चराइज रखने में मदद करता है।

घुंघराले बाल बहुत ज्यादा उलझते हैं ऐसे में उनका खयाल रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। घुघराले बालों क लिए सबसे अच्छे वो सीरम हैं जिसमें मॉश्चराइजेशन के गुण बहुत अधिक होते हैं। बालों को चमकदार रखने के लिए हाइड्रेटिंग तेल जैसे जोजोबा, आर्गन और बादाम के तेल के गुणों वाला सीरम लगाएं।

शब्द सामर्थ्य - 61

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

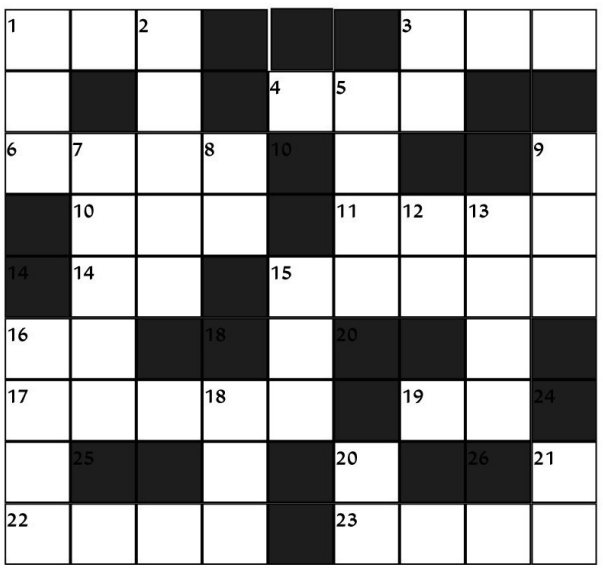

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

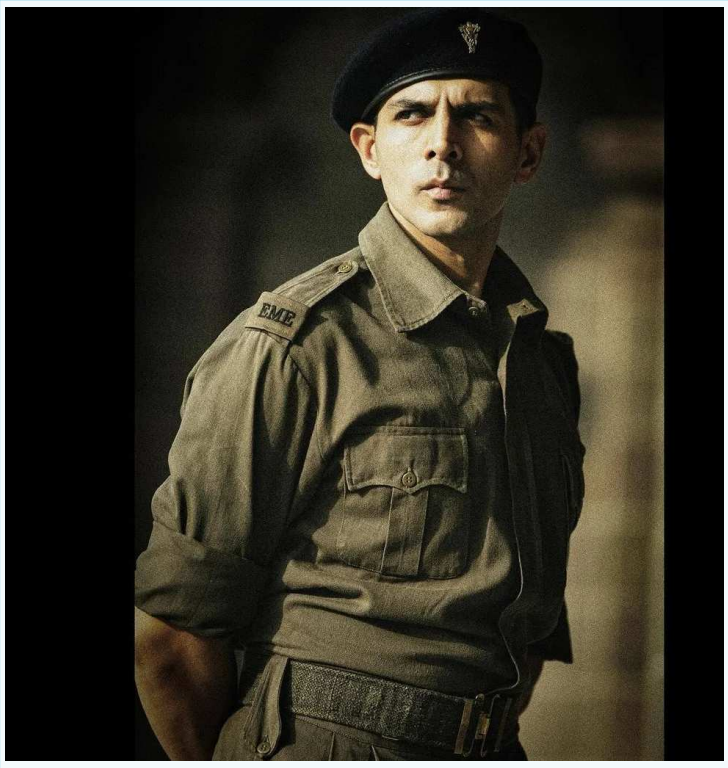

चंदू चैंपियन से कार्तिक आर्यन ने दिखाई अपनी नई झलक

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। वहीं गणतंत्र दिवस के खास मौके पर कार्तिक ने फिल्म से अपना नया लुक शेयर कर सभी को रिपब्लिक डे की ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह आर्मी की वर्दी पहने हुए नजर आ रहे हैं। वहीं फिल्म से अपनी नई झलक को फैंस के साथ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा है कि चैंपियन बनना हर भारतीय के खून में है।।। जय हिंद। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं।

वहीं अपने चहेते सितारे को आर्मी की वर्दी में देख फैंस खुशी से धूम उठे हैं। कार्तिक के इस पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। हर कोई उनके इस नए लुक की जमकर तारीफ कर रहा है।

बता दें कि चंदू चैंपियन कार्तिक आर्यन के लिए बेहद खास फिल्म होना वाली है। फिल्म की कहानी पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीत चुके मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है, जिसका रोल कार्तिक निभा रहे हैं। इस तहर के रोल में वह पहली बार बड़े पर्दे पर दिखाई दने वाले हैं। ऐसे में फैंस को उनकी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। बता दें कि चंदू चैंपियन 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वहीं कबीर खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कार्तिक के अपोजिट जोड़ी श्रद्धा कपूर नजर आ सकती हैं। हांलाकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से फिल्म की हीरोइन का खुलासा नहीं किया है। अगर ऐसा हुआ, तो ऐसा पहली बार होगा जब बड़े पर्दे पर कार्तिक आर्यन और श्रद्धा कपूर की जोड़ी देखने को मिलेगी। बता दें कि निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। वहीं चंदू चैंपियन के अलावा कार्तिक बहुत जल्द आशिकी 3 में भी नजर आने वाले हैं। खबरें आ रही हैं कि फिल्म में कार्तिक एनिमल स्टार तृप्ति डिमरी के साथ रोमांस करते हुए दिखाई देंगे। सूत्रों के अनुसार, आशिकी 3 की शूटिंग 2024 की पहली तिमाही में शुरू होगी। वहीं शूटिंग शुरू होने से पहले कार्तिक और तृप्ति कुछ वर्कशॉप्स भी अटेंड करेंगे। (आरएनएस)

सामने आया फिल्म दंगे का फर्स्ट लुक, एक पक्ष का चुनाव करने को ललकारते दिखे हर्षवर्धन

फिल्म दंगे का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी इस फिल्म के हिंदी भाषी वर्जन में हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट लीड रोल में नजर आएंगे। उनके अलावा निकिता दत्ता और टीजे भानू भी अहम रोल में हैं। पोस्टर में हर्षवर्धन और एहान नजर आ रहे हैं और एक पक्ष का चुनाव करने की चुनौती देते नजर आ रहे हैं। ये द्विभाषी फिल्म है। हिंदी के साथ-साथ तमिल भाषा में भी बन रही है। तमिल में इसका नाम पोर है, जिसमें अर्जुन दास, कालीदास जयराम, टीजे बानू और संचना नटराजन जैसे सितारे नजर आएंगे। फिल्म का पोस्टर काफी दमदार है। इसमें नैतिक जटिलताओं और मानव स्वभाव की झलक देखने को मिल रही है।

फिल्म का पोस्टर टी-सीरीज फिल्म्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किए गए हैं। तमिल और हिंदी दोनों भाषाओं में बन रही इन फिल्मों के जरिए दर्शकों को शानदार कहानी के साथ मनोरंजन का भरपूर मिलेगा। फिल्म का पोस्टर अपनी मान्यताओं के साथ एक पक्ष का चुनाव करने की चुनौती देता दिखता है। इसके कैप्शन में लिखा भी है, क्या आप कोई एक पक्ष चुनने के लिए तैयार हैं? दंगे को टी-सीरीज, बिजॉय नांबियार, प्रभु एंटनी और मधु अलेक्जेंडर मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर पर यूजर्स की खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। साथ ही दर्शक फिल्म की रिलीज को लेकर भी अपना उत्साह दिखाते नजर आ रहे हैं। लोग निर्देशक बिजॉय की खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यह बहुत शानदार है। वहीं, पोस्टर पर लोग फायर और हार्ट इमोजी भी जमकर पोस्ट कर रहे हैं। (आरएनएस)

सिंगल शॉट फिल्म करना बहुत मुश्किल : हंसिका मोटवानी

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी जल्द ही एक-शॉट तेलुगु फिल्म 105 मिनट्स में नजर आएंगी। इस तरह की अनूठी सिनेमाई कहानी में काम करने के बारे में उन?होंने कहा कि उन्हें चुनौतियां पसंद हैं और वह कुछ अलग करना चाहती हैं।

कोई... मिल गया में अपने काम के लिए मशहूर हंसिका एक-शॉट फिल्म की चुनौती स्वीकार करती हैं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और शानदार अभिनय क्षमता का पता चलता है।

यह प्रयोगात्मक फिल्म दर्शकों को एक रहस्यमय डरावनी कहानी की ओर आकर्षित करती है, जो बिना किसी कट के 105 मिनट तक चलती है।

उसी के बारे में बात करते हुए हंसिका ने कहा, मैंने कभी भी सिंगल शॉट जैसा कुछ नहीं किया है। यह बहुत मुश्किल है क्योंकि सचमुच एक तरफ हवा है, दूसरी तरफ आग और बारिश है ,लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं और मैं कुछ अलग करना चाहती थी इसलिए मैंने ऐसा किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार तेलुगु थ्रिलर फिल्म माई नेम इज श्रुति में नजर आई थीं। उनके पास राउडी बेबी, गार्जियन, मैन और वेब सीरीज नशा भी पाइपलाइन में है।(आरएनएस)

पंकज त्रिपाठी की मैं अटल हूं का संघर्ष जारी

पंकज त्रिपाठी को आजकल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी पर आधारित फिल्म मैं अटल हूं में देखा जा रहा है।इस फिल्म में उन्होंने एक बार फिर अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।फिल्म शुरुआत से दर्शकों के लिए तरस रही है।अब मैं अटल हूं की कमाई के 7वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मैं अटल हूं ने अपनी रिलीज के 7वें दिन (पहले गुरुवार) 14 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 7.86 करोड़ रुपये हो गया है।मैं अटल हूं की कहानी उल्लेख एनपी की किताब द अनटोल्ड वाजपेयी- पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स पर आधारित है।इसमें भाजपा का गठन, 13 दिन में अटल की सरकार गिरना, पोखरण परमाणु परीक्षण जैसी प्रमुख राजनीतिक घटनाओं को दिखाया गया है।

मैं अटल हूं का निर्देशन रवि जाधव ने किया है, जिन्होंने 2016 में आई फिल्म बैंजो के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था। यह पंकज और रवि के बीच पहला सहयोग है।इसमें पीयूष मिश्रा और दया शंकर पांडे भी हैं।यह फिल्म सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। इसका प्रीमियर मार्च के अंत तक किया जाएगा।बॉक्स ऑफिस पर मैं अटल हूं का सामना मेरी क्रिसमस और फाइटर से हो रहा है। (आरएनएस)

शमा सिकंदर ने किया थाई हाई स्लिट स्कर्ट दिए किलर पोज

शमा सिकंदर ने अपनी एक्टिंग का जादू टीवी शोज से लेकर, फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में खूब चलाया है। हालांकि, उनके एक्टिंग कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन एक्ट्रेस अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक के कारण अक्सर चर्चा में रहने लगी हैं। ऐसे में आज वह देखते ही देखते सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। फैंस तो उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए लगभग हर दिन इंस्टाग्राम पर नया लुक शेयर करती रहती हैं। शमा ने इंस्टाग्राम पर अपना नया फोटोशूट दिखाया है। इसमें एक बर फिर उन्हें काफी गॉर्जियस दिख रही हैं। लेटेस्ट फोटोशूट के लिए शमा ने सीक्वेंस वाली थाई हाई स्लिट ब्लैक स्कर्ट कैरी की है। इसे उन्होंने क्रॉप टॉप के साथ पेयरअप किया है। शमा ने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से एक सिजलिंग पोज दिए हैं। अब उनका ये नया लुक काफी वायरल हो रहा है।

शमा ने अपने इस लुक को शाइनी स्मूद बेस, न्यूड पिंक लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके बाद उन्होंने बालों को सॉफ्ट कर्ली टच देकर हाई पोनीटेल की है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर उन्होंने रोज गोल्ड नेट और ईयररिंग्स कैरी किए हैं। शमा इस लुक में स्टनिंग दिख रही हैं। फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल हो रहा है।

शमा के इस गॉर्जियस अवतार को देख अंदाजा ही नहीं लगाया जा सकता कि वह 42 साल की हो चुकी हैं। उन्होंने आज भी खुद को बहुत फिट रखा है। एक्ट्रेस ने हर अंदाज पर फैंस आहें भरते रह जाते हैं।(आरएनएस)

भारतीय राजनीति का अंतिम मोर्चा

अजीत द्विवेदी

क्या यह माना जाए कि भारत की राजनीति बदलाव के उस मोड़ पर है, जहां वह आधुनिक इतिहास में पहले कभी नहीं पहुंची और उस मोड़ पर जो मुकाबला होना है वह फाइनल फ्रंटियर यानी अंतिम मोर्चे की तरह है? अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद अगले तीन-चार महीने में लोकसभा का चुनाव होना है। इस चुनाव में एक तरफ हिंदू धर्म की ध्वजा उठाए नरेंद्र मोदी और उनकी अक्षौहिणी सेना होगी तो दूसरी ओर भारत की विविधता, बहुलता और न्याय की दुहाई देते हुए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस होगी, जिसके साथ या पीछे पीछे जातीय विभाजन की फॉल्टलाइन को बढ़ा कर राजनीति करने वाली मंडल की पार्टियां और भाषायी अस्मिता की राजनीति करने वाली पार्टियां होंगी। पूरब से पश्चिम और दक्षिण तक ऐसी कई पार्टियां हैं। इस लिहाज से अगले चुनाव को मंडल और कमंडल की लड़ाई का फाइनल फ्रंटियर कह सकते हैं तो साथ ही उत्तर और दक्षिण की लड़ाई का भी अंतिम मोर्चा मान सकते हैं। जो यह चुनाव जीतेगा उसकी हर मोर्चे पर फतह मानी जाएगी और लंबे समय तक देश की राजनीति पर उसका और उसकी विचारधारा का वर्चस्व कायम होगा।

अभी तक भाजपा की राजनीति के बरक्स दो तरह की राजनीति सफल होती रही है। एक मंडल की यानी जातियों की और दूसरी भाषायी अस्मिता की राजनीति। विपक्ष की जो पार्टी भाजपा के मुकाबले सफल रही या जिसने भाजपा को टक्कर दिया उसकी राजनीति इन दो में से किसी मुद्दे पर आधारित रही। कह सकते हैं कि कांग्रेस इन दोनों में से कोई राजनीति नहीं करती है फिर भी वह मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर बनी हुई है। यह बात तर्क के लिए सही है लेकिन असल में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल की हैसियत मुस्लिम वोटों की वजह से बनी है। कुछ राज्यों में भाजपा विरोधी वोट के साथ मुस्लिम वोट जुड़ जाने से कांग्रेस को सीटें मिलीं या जातीय व भाषायी अस्मिता की राजनीति करने वाली पार्टियों के साथ तालमेल का फायदा उसे मिला। यह किसी पहलू से नहीं कहा जा सकता है कि कांग्रेस या दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों ने किसी वैकल्पिक सिद्धांत या विचार को लेकर राजनीति की। हां, भाजपा से उनके विरोध को वैचारिक विरोध कह सकते हैं लेकिन उन दलों की राजनीति किसी वैकल्पिक विचार पर आधारित नहीं रही है। यह बहुत बारीक फर्क है, जिसे समझने की जरुरत है।

इस बार उसी फर्क को चुनौती मिल रही है। एक फर्क मंडल और कमंडल की राजनीति का रहा है। भाजपा ने कमंडल यानी मंदिर की राजनीति शुरू की थी। 1989 में पालमपुर प्रस्ताव से मंदिर को राजनीतिक मुद्दा बनाया गया था और दो सांसदों वाली पार्टी उसी साल के चुनाव में 81 सीट पर पहुंच गई थी। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि मंडल की राजनीति के जवाब में कमंडल की राजनीति शुरू हुई। भाजपा ने मंदिर की राजनीति पहले शुरू की थी और एक चुनाव में उसका फायदा लिया था। उसके बाद वीपी सिंह की सरकार ने 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू की थी और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण का पंडोरा बॉक्स खोला था। उसके बाद कई बरसों तक ऐसा लगता रहा कि ये दोनों विचार एक दूसरे के विरोधी हैं। हालांकि भाजपा ने तब भी सोशल इंजीनियरिंग जारी रखी थी। उत्तर प्रदेश पहले उसकी प्रयोगशाला थी, जहां गोविंदाचार्य ने सोशल इंजीनियरिंग का प्रयोग किया और उसके बाद मध्य प्रदेश प्रयोगशाला बनी, जहां उमा भारती से शुरू करके मोहन यादव तक पिछले 21 साल में सिर्फ पिछड़ी जाति के सीएम बने हैं।

बिहार मंडल राजनीति की धरती रही लेकिन नीतीश कुमार ने बहुत होशियारी से बिहार में भाजपा को सोशल इंजीनियरिंग नहीं करने दी और न पिछड़ी या अत्यंत पिछड़ी जाति का कोई नेता तैयार होने दिया। इसलिए बिहार थोड़ा पीछे रह गया। अब वहां भी भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग चल रही है। 24 जनवरी को भाजपा भी पटना में कर्पूरी ठाकुर की जयंती बड़े पैमाने पर मना रही है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद धीरे धीरे मंडल और कमंडल की राजनीति का फर्क मिटता गया है। दोनों के बीच की दूरी कम होती गई है। उन्होंने बहुत सुनियोजित तरीके से दोनों को मिला दिया। इसका नतीजा यह है कि आज अत्यंत पिछड़ी जातियों का 48 फीसदी और अन्य पिछड़ी जातियों का 40 फीसदी वोट भाजपा को मिलता है। कुल मिला कर 44 फीसदी पिछड़ा वोट भाजपा को जाता है। अयोध्या के भव्य कार्यक्रम के बाद यह दूरी और कम होगी। इसका कारण यह है कि मंडल के मसीहा जाति की राजनीति में उलझे रहे उन्होंने मंडल प्लस कुछ नहीं किया। कोई नई चीज नहीं जोड़ी, जबकि नरेंद्र मोदी ने कमंडल में प्लस किया। उन्होंने कमंडल में मंडल को जोड़ा और साथ ही विकास, बुनियादी ढांचा, राष्ट्रवाद, लाभार्थी, विश्व गुरू, मजबूत नेतृत्व जैसी कई चीजें जोड़ दीं।

इसके बाद बचता है कि भाषायी अस्मिता का मामला, जिस पर भाजपा थोड़ा बैकफुट पर होती है। हालांकि ऐसे तीन राज्यों-महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में भाजपा पहले से मजबूत स्थिति में थी। पिछले 10 साल में इन तीन राज्यों के अलावा दूसरे राज्यों में भी भाजपा मजबूती से पहुंची है और वह हिंदुत्व के अपने एजेंडे के साथ पहुंची है। उसने राज्यों की आबादी के फॉल्टलाइन की पहचान की है और उसका फायदा उठाया है। जैसे पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। भाजपा ने प्रचार के दम पर यह नैरेटिव बनवाया कि सारी पार्टियां इस 30 फीसदी आबादी का ध्यान रखती हैं और 70 फीसदी आबादी की अनदेखी करती हैं। इसका फायदा उसे पिछले चुनाव में मिला, जब वह 18 लोकसभा सीट वाली पार्टी बन गई और विधानसभा चुनाव में भी अस्मिता की राजनीति को चुनौती देते हुए 38 फीसदी वोट के साथ 77 सीट की पार्टी बनी। इसी तरह तेलंगाना में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और पुराने हैदराबाद की आबादी संरचना को ही आधार बना कर भाजपा ने जो राजनीति की उसका नतीजा यह हुआ कि उसे पिछले लोकसभा चुनाव में चार सीटें मिलीं। वह अब वहां 13 फीसदी वोट की पार्टी है।

कुल मिला कर तीन राज्य- आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल ऐसे हैं, जहां भाजपा की कमंडल की राजनीति या सोशल इंजीनियरिंग कामयाब नहीं हुई है। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में यह कोई बड़ी बात नहीं है। अपने सबसे अच्छे दिनों में भी कांग्रेस सभी राज्यों में एक समान रूप से मजबूत पार्टी नहीं थी। इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर इन तीन राज्यों पर है, जिनका उन्होंने नए साल में दौरा शुरू किया है। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से पहले 11 दिन का अनुष्ठान किया और उसे इन तीन राज्यों की आध्यात्मिक यात्रा से जोड़ दिया। वे उस दौरान इन तीनों राज्यों में गए और रामायण के चरित्रों व स्थानों से जुड़ी जगहों पर जाकर पूजा की। भाषायी अस्मिता वाले इन तीनों राज्यों में मोदी की कमंडल प्लस मंडल राजनीति की परीक्षा होनी है।

सो, कह सकते हैं कि इस बार का चुनाव इस बात की परीक्षा है कि भाजपा की राजनीति के मुकाबले विपक्ष के मंडल और भाषायी अस्मिता यानी जाति और उत्तर-दक्षिण की राजनीति का क्या भविष्य होगा। अगर भाजपा लगातार तीसरी बार जीतती है तो फिर भारतीय राजनीति को देखने की तमाम पारंपरिक अवधारणाएं टूटेंगी और पार्टियों को नए सिरे से अपने सिद्धांतों व राजनीतिक एजेंडे पर विचार करना होगा। बड़ा सवाल यह है कि क्या उसके बाद भाजपा को टक्कर देने के लिए कोई नई दक्षिणपंथी पार्टी उभरेगी? क्या अरविंद केजरीवाल के लिए अवसर बनेगा? या मौजूदा धर्मनिरपेक्ष पार्टियां अपना स्वरूप बदलेंगी?

सू- दोकू क्र.61

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.60 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भाजपा में कांग्रेसी नेताओं का बढता महत्व

एक समय था, जब भारतीय जनता पार्टी में बाहरी लोगों के लिए कोई जगह नहीं होती थी। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भाजपा नेताओं की नर्सरी होती थी। वहीं से नेता निकलते थे। अब भी निकलते हैं लेकिन अब भाजपा ने लैटरल एंट्री के दरवाज खुल गए हैं। जिस तरह से निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को सरकारी विभागों में लेटरल एंट्री दी जा रही है और सीधे संयुक्त सचिव बनाया जा रहा है, जो पहले आईएएस अधिकारियों के लिए ही आरक्षित थी उसी तरह भाजपा में दूसर पार्टियों के 'विशेषज्ञ नेता' एंट्री ले रहे हैं और सीधे मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव आदि बन रहे हैं। राजनीति में विचारधारा के लोप का यह प्रत्यक्ष असर है।

बहरहाल, यह प्रक्रिया पिछले कई बरसों से चल रही है। अभी गोवा की घटना ने इस ओर फिर से ध्यान दिलाया है। गोवा में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है। 40 सदस्यों की विधानसभा में भाजपा के अपने 28 विधायक हैं और इसके अलावा महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के दो और तीन निर्दलीय विधायकों का भी समर्थक है। इसका मतलब है कि विपक्ष में सिर्फ सात विधायक हैं, जिसमें कांग्रेस के तीन हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 11 विधायक जीते थे, जिसमें से आठ पाला बदल कर भाजपा में चले गए हैं। पहले भी भाजपा के जीते हुए 20 लोग में अनेक ऐसे हैं, जो कांग्रेस से आए थे और पार्टी ने टिकट दिया था।

अब भाजपा ने अपने एक पुराने और प्रतिबद्ध नेता नीलेश कबराल को मंत्री पद से हटा दिया है और उनकी जगह कांग्रेस से आए अलेक्सो सिक्केरा को मंत्री बनाया है। कबराल ने कहा कि उनको पार्टी के लिए बलिदान देने को कहा गया। वे वरिष्ठ नेता हैं और प्रमोद सावंत की सरकार में पीडब्लुडी मंत्री थी। उनके हटाने के बाद मुख्यमंत्री सांवत ने पीडब्लुड मंत्रालय तो अपने पास ही रखा लेकिन कांग्रेस से आए सिक्केरा को चार मंत्रालय दिए। सवाल है कि क्या भाजपा को भी अपने विधायक टूटने और सरकार गिर जाने का खतरा सता रहा था या अगले साल के लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व कांग्रेसी नेताओं को खुश करने की कोशिश हो रही है ताकि राज्य की लोकसभा की दोनों सीटें जीतने में दिक्कत न आए? बहरहाल, गोवा तो ताजा मामला है लेकिन पहले से ही भाजपा इस मामले में बड़ी उदार हो गई है। उसे विचारधारा की प्रतिबद्धता से ज्यादा ऐसे नेताओं की जरूरत है, जो वोट दिला सकें और चुनाव जीता सकें। तभी कांग्रेस के हेमंत बिस्वा सरमा, माणिक साहा, पेमा खांडू आदि भाजपा के मुख्यमंत्री बने हुए हैं। बसवराज बोम्मई भी हाल तक मुख्यमंत्री थे। आंध्र प्रदेश से लेकर बिहार तक कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष दूसरी पार्टियों से आए हैं। (आरएनएस)

मछली बन इतराई मलाइका अरोड़ा

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हर रोज किसी न किसी वजह से सुर्ख़ियों में जरूर रहती हैं। कभी एक्टर अर्जुन कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर तो कभी अपनी तस्वीरें और लुक्स को लेकर।।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। जिन्हें उनके फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। फिश कट गाउन में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा बेहद बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। मलाइका अरोड़ा का ये बिंदास अंदाज इस समय सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। गोल्डन और सिल्वर मिक्स कलर के इस गाउन में एक्ट्रेस ने जिस तरह के पोज दिए हैं उन्हें देखकर लोग उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। फिश टेल गाउन में एक्ट्रेस का यह लुक देखते ही बन रहा है, इसे देखकर उनके फैंस तस्वीरों पर कमेंट करने से खुद को नहीं रोक पाए। एक यूजर ने तस्वीरें पर कमेंट कर लिखा- सौंदर्य सदैव। वहीं अन्य यूजर भी एक्ट्रेस की तारीफ के पुल बांधते हुए कमेंट कर रहे हैं।

बता दें कि सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टा पर उन्हें करीब 19 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। (आरएनएस)

वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के बड़े भाई ताराचंद अग्रवाल का निधन

संवाददाता

देहरादून। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के बडे भाई ताराचंद अग्रवाल का लम्बी बिमारी के बाद निधन हो गया। आज सुबह वित्त मंत्री उत्तराखण्ड सरकार प्रेमचंद अग्रवाल के बड़े भाई तारा चंद अग्रवाल का बीमारी के कारण निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार सोंग नदी के किनारे, डोईवाला में किया जायेगा।

स्मार्ट सिटी के विरोध में किसान सभा करेगी विधानसभा पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी के विरोध में किसान सभा पांच फरवरी को विधानसभा पर प्रदर्शन करेगी।

आज यहां पछवादून क्षेत्र सहसपुर सभा वाला क्षेत्र में प्रस्तावित स्मार्ट सिटी के विरोध में सभा वाला में किसान सभा के नेतृत्व में क्षेत्र के किसान मजदूर मीटिंग करके स्मार्ट सिटी ना बनाए जाने के लिए रणनीति बनाने के लिए एकत्रित हुए। बैठक को किसान सभा के जिला सचिव कमरुद्दीन, किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिव प्रसाद देवली, सीपीआईएम के जिला सचिव राजेंद्र पुरोहित ने संबोधित किया तथा सरकार की अदूरदर्शिता और कृषि क्षेत्र को बर्बाद करने वाली गलत नीतियों के खिलाफ जनता से लामबंद होने की अपील की। सरकार द्वारा जनता की एकता को तोड़ने वाली गलत कार्यवाहियों से भी सजग रहने का आह्वान किया।सरकार ने बिना पंचायतों और क्षेत्र के किसानों मजदूरों को बिना सूचना दिए ही इस बहुत छोटे से इलाके में कई बड़े प्रोजेक्टों को अंजाम दे चुकी है। दो बड़ी बिजली लाइनों का निर्माण पांवटा बल्लूपुर हाई वे का निर्माण भी बिना किसी जन सुनवाई के अमल में लाया गया है। इसी प्रकार अब चुपके से स्मार्ट सिटी का भी सर्वे किया जा रहा है और क्षेत्र की गरीब जनता को कुचल कर तहस नहस करने पर आमादा है।सभी क्षेत्र वासी 5 फरवरी को विधान सभा पर प्रदर्शन के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराने के लिए बड़ी तादाद में एकत्र होकर प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आहवान किया।

समिति ने सरकार को सौंपा यूसीसी का... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

समिति बनाई गई थी। जिसने सुझावों के लिए दो उप समितियां बनाई गई थी जिसने सवा दो लाख लोगों से सुझाव लिए। जन संवाद और ऑनलाइन सुझाव भी लिए गए थे।

ड्राफ्ट अब सरकार को सौंपा जा चुका है इस ड्राफ्ट के बारे में अभी किसी को कोई जानकारी नहीं है। शादी की उम्र से लेकर पैत्रिक संपत्तियों के अधिकार, गोद लेने और जनसंख्या नियंत्रण तथा लिव इन रिलेशनशिप जैसे तमाम मुद्दों पर एक समान कानून लाने की इस कवायद में क्या-क्या विशेष होगा इसे सदन में पेश किए जाने पर ही पता चल सकेगा।

चुनाव में ध्रुवीकरण का हथकंडा: धस्माना

देहरादून। उधर कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना का कहना है कि सरकार ने आज तक यह नहीं बताया कि उसे देश के किस कानून से क्या दिक्कतें हैं और वह किन-किन कानूनों को बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमें यूसीसी से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन सरकार की यह कवायद वोटो के ध्रुवीकरण के लिए की जा रही है इसका किसी को कोई फायदा होने वाला नहीं है।

उधर शहर काजी का कहना है कि सरकार जो चाहे कर सकती है उसे अधिकार है, किंतु कुरान और शरीयत के खिलाफ अगर कुछ किया जाएगा तो मुस्लिम समाज इसका विरोध करेगा।

कांग्रेस ने फूंका दुष्यंत गौतम का पुतला

संवाददाता

देहरादून। इंडिया गठबंधन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दुष्यंत गौतम का पुतला फूंका।

आज यहां उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम द्वारा इंडिया गठबंधन के नेताओं के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया तथा उनका पुतला फूंका। गोगी ने कहा कि भाजपा नेता का बयान घोर आपत्तिजनक है और वे तत्काल माफी मांगें। भाजपा और इसके नेताओं का आचरण ही भ्रष्ट है। ये आडंबर और दिखावे वाले लोग हैं। ये केवल धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं नफरत फैलाते हैं और धर्म की आड़ में ही अपने दोषपूर्ण आचरण को अपनी असफलता को छुपाते हैं। भाजपा की विचारधारा वाले लोगों का ये पाखंड और अभद्रता कोई आज की बात नहीं

बल्कि आजादी से पहले से चली आ रही है। पहले इन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के विरुद्ध अंग्रेजों का साथ दिया अब लोगों को भ्रमित करने के लिए कांग्रेस और सहयोगी दलों को भला बुरा कहते रहते हैं। इन्हें अपनी नफरत की राजनीति पर इतना भरोसा है। उत्तराखंड के सैनिक और कर्मचारी और उनके परिवार लोकसभा चुनाव में दुष्यंत गौतम और उनकी पार्टी को जवाब देंगे। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, नवीन जोशी, संजय शर्मा, प्रवीण भारद्वाज, वकार अहमद, केतन रावत, संजय गौतम, अशोक कुमार, गोपाल सिंह, मुकेश रेगमी, संजय भारती, रिपू दमन सिंह, अभिषेक तिवारी, देव सिंह नेगी, राजेश उनियाल, मगरूब आलम,उदय सिंह, सलीम अंसारी, मनीष गर्ग, चुन्नीलाल ढिगियां, मोहित भाटिया, विरेन्द पंवार, भूपेंद्र नेगी, गगन छाछर, कंचन रेगमी, एस.बी.थापा, आलोक मेहता, आदर्श सूद आदि उपस्थित थे।

दुष्यंत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैः लालचंद

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

आज यहां उत्तराखंड में देहरादून महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि दुष्यंत गौतम अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कम से कम उन्हें वफादारी का पाठ पढ़ लेना चाहिए। गौतम ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। भाजपा के चुनाव प्रभारी गौतम लोकसभा की पांचों सीटों पर खोले गए कार्यालय के वर्चुअल उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बीजेपी के प्रदेश प्रभारी के बयान को लेकर पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि अंग्रेजों की मुखबिरी करने वाले और महात्मा गांधी

के हत्या कराने वाले और हत्या करने वाले गोडसे की पूजा करने वाले लोग वफादारी को क्या जाने। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जो लोग अंग्रेजों की फौज में भर्ती होने की अपील करते रहे। जिनके किसी नेता ने आजादी की लड़ाई में शहादत नहीं दी। अब वह दूसरों पर टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सच्चाई ये है कि बीजेपी इंडिया गठबंधन से बुरी तरह डरी हुई है। उसे सपने में इंडिया गठबंधन की नजर आता है। इसीलिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि भाजपा नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। उन्हें किसी अच्छे चिकित्सक से अपना इलाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में भाजपा प्रदेश प्रभारी अपनी सोचने और समझने की शक्ति खो बैठे हैं। साथ ही बीजेपी को इंडिया गठबंधन का डर सता रहा है। खुद को सनातनी कहने वाले ही भाषा की मर्यादा को लांघ रहे हैं। ऐसे में उनके झूठे, छद्म सनातनी होना साबित होता है। दुष्यंत गौतम की टिप्पणी अभद्र है। उन्हें अपनी इस टिप्पणी को लेकर माफी मांगनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि बीजेपी लोकसभा चुनाव को लेकर घबरा गई है। इंडिया गठबंधन की ताकत उसे सबक सिखाएगी, इसका उन्हें अहसास हो चुका है। इसलिए अब बीजेपी के नेता मानसिक संतुलन को खो बैठे हैं। अब जनता जान चुकी है कि लोगों को जाति, धर्म के नाम पर भिड़ाकर वोट बटोरने की राजनीति चलने वाली नहीं है।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया बीबी भानी जी का जन्म दिवस

संवाददाता

देहरादून। नितनेम के साथ श्रद्धा पूर्वक बीबी भानी जी का जन्म दिवस मनाया गया।

आज यहां प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई कवरपाल सिंह ने आसा दी वार का शब्द 'आगै सुख मेरे मीता,पाछे आनद प्रभ कीता' का गायन किया एवं बीबी भानी जी स्त्री सत्संग सभा के द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गए। भाई शमशेर सिंह हैंड ग्रंथी ने कहा कि बीबी भानी जी का जीवन सभ गुणों से भरपूर- प्यारे सुभा - मिलनसार - सेवा सिमरन की मुर्ति - सहनशील - सभर संतोख - निमरता - आज्ञाकारी और परउपकारी रहा और गुरु पुत्री, गुरु पत्नी, गुरु माता, गुरु दादी और गुरु पडदादी होने के साथ शहीदों का परिवार से होने का मान प्राप्त हुआ, कार्यक्रम में विशेष रूप से गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी जत्थे भाई नरेन्द्र सिंह ने

'गुरसिखा मनि वाधाईआ जिन मेरा सतगुरू डिठा राम राजे' व 'बैठा सोढी पातिसाहु रामदास सतगुरू कहावै' का शब्द गायन किया।

हैंड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की, प्रधान, गुरबख्श सिंह राजन व जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह द्वारा संगतों व बीबी भानी जी स्त्री सत्संग सभा को बीबी भानी जी के जन्म दिवस की बधाई दी। बीबी महिंदर कौर, बीबी कंवलजीत कौर व बीबी रनजीत कौर को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन सतनाम सिंह ने किया। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने सत्संग सभा के द्वारा तैयार किया गुरु का लंगर व प्रशाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सरदार गुरबख्श सिंह राजन अध्यक्ष, गुलजार सिंह महासचिव, सरदार जगमिंदर सिंह छाबड़ा, चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष, मनजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह जौली, अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, राजिंदर सिंह राजा, अविनाश सिंह, अरविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज की तबीयत अचानक बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

आगरा। तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज की शुक्रवार सुबह आगरा में अचानक तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें आगरा के पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक वहां पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि हाथरस जिले के लाढपुर गांव में राम कथा चल रही थी। इसी दौरान जगतगुरु रामभद्राचार्य की तबीयत अचानक बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत आगरा लाया गया। अस्पताल ले जाने का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। हालांकि वन इंडिया हिंदी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि जगतगुरु रामभद्राचार्य को सीने में दर्द की शिकायत थी। अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। जांच में पता चला कि उनके सीने में इंफेक्शन है। अभी कुछ अन्य आवश्यक जांच भी की जानी है, उसके बाद ही बीमारी स्पष्ट हो पाएगी। दरअसल, हाथरस जिले में 25 जनवरी से रामभद्राचार्य महाराज की राम कथा चल रही थी। शुक्रवार को रामकथा का आखिरी दिन था। इसी बीच शुक्रवार सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि सीने में दर्द के चलते उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम जांच और इलाज में जुटी है।

'व्यासजी के तहखाने में पूजा पर रोक नहीं'

लखनऊ। ज्ञानवापी मामले में सुनवाई शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में पूरी हो गई है। हाईकोर्ट में सबसे पहले मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के वकील फरमान नकवी अपना पक्ष रखा। इसके बाद हिंदु पक्ष के ओर से दलीलें रखी गई। वहीं अब इस मामले की अगली सुनवाई 6 फरवरी को होगी। तब तक पूजा पर कोर्ट ने रोक नहीं लगाई है। हालांकि प्रयाप्त सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया है। जज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की बेंच ने ज्ञानवापी मामले में शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई की। मुस्लिम पक्ष ने सुनवाई के दौरान पूजा की इजाजत की मांग को लेकर एडिशनल रिलीफ मांगी थी। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की आपत्ति को नजर अंदाज कर इजाजत दे दी। सुनवाई कर रहे जज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल ने मस्जिद कमेटी के वकील से पूछा कि आपने डीएम को रिसीवर नियुक्त किए जाने के 17 जनवरी के आदेश को चुनौती नहीं दी। जस्टिस अग्रवाल ने पूछा कि सीधे 31 जनवरी के आदेश के खिलाफ याचिका दाखिल की है। ऐसे में यह बताइए कि आपकी अर्जी की पोषणीयता क्या है? क्या उस पर सुनवाई की जा सकती है? 31 जनवरी का आदेश 17 जनवरी को डीएम को रिसीवर नियुक्त किए जाने के आगे की कड़ी है।

एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे का 32 साल की उम्र में निधन

मुंबई। एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे का निधन हो गया है। उन्हें सर्वाइकल कैंसर था। उनके ऑफिशिअल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी दी गई है। पूनम पांडे के निधन की खबर ने लोगों को शॉक्ड कर दिया है। पूनम पांडे के मैनेजर ने ये खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 1 फरवरी की रात को सर्वाइकल कैंसर से जंग के बाद उन्होंने दम तोड़ा है। पूनम पांडे की टीम ने बताया कि पूनम ने अंतिम सांस अपने गृहनगर कानपुर में थीं। हालांकि अभी उनके अंतिम संस्कार के बारे में विवरण की प्रतीक्षा है। पूनम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान साझा किया गया है। कहा जा रहा है कि अपनी बीमारी का पता उन्हें हाल ही में लगा था और वह सर्वाइकल कैंसर की चौथीं स्टेज पर थीं। टीम की तरफ से एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें लिखा है- श्यह सुबह हमारे लिए कठिन है। आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि हमने अपनी प्यारी पूनम को सर्वाइकल कैंसर के कारण खो दिया है। पूनम पांडे ने साल 2013 में फिल्म श्नशाश से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। पूनम पांडे के निधन की खबर ने लोगों को शॉक कर दिया है। आपको बता दें कि पूनम पांडे एक पॉपुलर मॉडल थीं। उनकी लोकप्रियता तब आसमान छू गई जब उन्होंने 2011 क्रिकेट विश्व कप फाइनल से पहले एक वीडियो संदेश में वादा किया था कि अगर भारत फाइनल मैच जीतता है तो वह कपड़े उतार देंगी। अपने दुस्साहसिक दावे के साथ, यह पहली बार था जब उसने सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अपना ध्यान आकर्षित किया।

दस लाख की स्मैक सहित आईटीआई का छात्र गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। स्मैक तस्करी में लिप्त एक युवक को पुलिस व एसओजी टीम द्वारा दस लाख की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी आईटीआई का छात्र है जो खटीमा निवासी अपने दोस्त से स्मैक लाकर उसे हल्द्वानी में सप्लाई किया करता था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व थाना चोरगलिया पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को चोरगलिया क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रूकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 105 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम अभय (19)पुत्र सत्य प्रकाश निवासी ग्राम अमाऊ, थाना खटीमा, जनपद उधमसिंह नगर बताया। बताया कि वह आईटीआई का छात्र है और वह बरामद स्मैक को खटीमा निवासी अपने दोस्त तुषार शर्मा से खरीदकर अधिक पैसे कमाने के लालच में हल्द्वानी शहर में बेचने के लिये ला रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ थाना चोरगलिया में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत 10 लाख रूपये बतायी जा रही है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक फरवरी को राहुल गिरी निवासी खडखडी नई बस्ती हरिद्वार द्वारा थाना रायवाला पर रात्रि में दोस्तो के बीच आपसी मनमुटाव होने पर वह अपनी मोटर साईकिल ` खाण्ड गाँव मोतीचूर फ्लाईओवर के पास छोड कर चला गया था। अगली सुबह आने पर वाहन वहाँ पर न मिलने व दोस्तो से पता करने पर वाहन के सम्बन्ध मे कोई जानकारी नही मिल पायी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गठित पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का अवलोकन किया जिससे पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। जिसके चलते आज पुलिस ने चोरी की घटना को अन्जाम देने वाले 02 लोगों को प्राईमरी स्कूल के सामने सर्विस रोड हरिपुरकला रायवाला से चोरी की मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम निशान्त चौहान पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी राणा कालोनी हरिपुरकला थाना रायवाला, अंकुर कुमार पुत्र स्व. रामपाल सिंह निवासी शिव लोक कालोनी भगत सिंह चौक रानीपुर मोड हरिद्वार हाँल निवासी हरिपुकला बताया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मोहित रावल मेरे कहने सुनने में नहीं है। जिसके कारण मैंने उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए उसके साथ सम्बन्ध विच्छेद कर दिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे पुत्र मोहित रावल के साथ किसी भी तरह का कृत्य या लेन देन करता है तो वह व्यक्ति इसके लिए स्वंय जिम्मेदार होगा।

श्रीमती पुष्पा रावल
पत्नी स्व. गोपाल सिंह रावल
निवासी मकान नम्बर 97 लेन
नम्बर 7 वाणी विहार
अधोईवाला देहरादून।

सीएम ने किया समान नागरिक संहिता पर बने गीत का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता पर गीत का विमोचन किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में समान नागरिक संहिता पर बने गीत ''आ रहा है यू.सी.सी.'' का विमोचन किया। इस गीत को भूपेन्द्र बसेड़ा द्वारा लिखा और स्वर प्रदान किया गया है तथा राकेश भट्ट द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। गीत पर बने वीडियो में मुख्य भूमिका ओम तरोनी एवं ललित जोशी द्वारा निभायी गयी है। इस गीत के माध्यम से यू.सी.सी के लाभ एवं आम जनमानस पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाया गया है। इस गीत को हिन्दी में तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने जनता को जागरूक करने तथा यू.सी.सी. के प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत गीत से जुड़ी समस्त टीम को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी भी मौजूद थी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एफआरआई निवासी उर्वशी बाजार से घर की तरफ जा रही थी जब वह एफआरआई शताब्दी द्वार के पास पहुंची तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्कूल से सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूल से लोहे की रॉड व अन्य सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झाझरा निवासी नारायण अरविन्द भाई देसाई ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ठाकुरपुर के पास स्थित स्कूल का वह संचालन करते हैं। आज जब वह स्कूल में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि स्कूल से 8 यू बैक व 20 टाई रॉड लोहे की गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।